पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

कार्य-निष्पादन समीक्षा –30 जून को समाप्त तिमाही

पीएफसी ने 30 जून 2023 को समाप्त तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणाम की घोषणा 11 अगस्त 2023 को की। ति1'24 के लिए कार्य-निष्पादन की मुख्य बातें नीचे दी गई हैं।

समेकित विशेषताएं

A. वित्तीय कार्य-निष्पादन

1) वित्तीय कार्य-निष्पादन

- समेकित कर पश्चात लाभ में 31% की वृद्धि दर्ज की गई; ति1'23 में ₹4,580 करोड़ से ति1'24 में ₹5,982 करोड़।
- समेकित ऋण परिसंपत्ति बुक में 17% की वृद्धि - 30.06.2022 तक ₹7,58,074 करोड़ बनाम 30.06.2023 को ₹8,86,723 ।
- समेकित संवितरण 3 गुना से अधिक की उल्लेखनीय वृद्धि हुई। ति1'23 में `17,084 करोड़ से ति1'24 में ₹56,925 करोड़।
- समेकित निवल वर्थ (गैर-नियंत्रित ब्याज सहित) 30.06.2022 को ₹99,623 करोड़ से 19% बढ़कर 30.06.2023 को ₹1,18,366 करोड़ हो गई।
- दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान में तालमेल के कारण, निवल एनपीए ति1'23 में 1.57% से ति1'24 में अपने न्यूनतम स्तर 1% पर पहुंच गया है। सकल एनपीए ति1'23 में 5.02% से 148 बीपीएस घटकर ति1'24 में 3.54% हो गया।
- अब तक, पीएफसी समूह ने देर से भुगतान अधिभार नियमों के तहत संचयी रूप से ₹1,15,565 करोड़ संस्वीकृत किए हैं और ₹60,711 करोड़ संवितरित किए हैं।

एकल विशेषताएं

A. वित्तीय कार्य-निष्पादन

1) कर पश्चात एकल लाभ में 43% की वृद्धि दर्ज की गई, जो ति1'23 में ₹2,110 करोड़ से बढ़कर ति1'24 में ₹3,007 करोड़ रुपये हो गई।
2) पीएफसी बोर्ड ने इक्विटी शेयरधारकों को 1:4 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने का प्रस्ताव रखा है, जो शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है।
3) 10 अगस्त 2023 को पीएफ़सी को एमएससीआई ग्लोबल स्टैंडर्ड इंडेक्स में शामिल किया गया है। इससे वैश्विक निवेशकों के बीच पीएफसी की दृश्यता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

4) प्रमुख वित्तीय संकेतक

- ति1'24 के लिए अर्जित परिसंपत्तियों पर लाभ 9.85% है - ति1'23 से 16 बीपीएस की कमी। लाभ में कमी को दो मुख्य कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है-

- सबसे पहले, ऋण परिसंपत्ति पोर्टफोलियो मिश्रण में वितरण क्षेत्र की हिस्सेदारी में वृद्धि के कारण। यह वृद्धि डिस्कॉम की स्थिति में सुधार के लिए सरकारी योजनाओं के तहत ऋण देने के कारण है।
- दूसरा, ब्याज दर में बढ़ोतरी का असर धीरे-धीरे हमारे ऋण परिसंपत्ति पोर्टफोलियो पर फिर से पड़ेगा।

- ति1'24 के लिए निधि की लागत ति1'23 में 7.08% की तुलना में ति1'24 में 7.34% है।
- ति1'24 के लिए स्प्रेड 2.51% है।
- पीएफसी ने बेहतर सीआरएआर का स्तर बनाए रखना जारी रखा है। 30 जून, 2023 को सीआरएआर 25.08% है, जिसमें टियर 1 पूंजी 22.36% है।
- पीएफसी की कुल परिसंपत्ति ₹70,000 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई है और अब 30.06.2023 तक ₹71,366 करोड़ है , जो 30.06.2022 से 17% की वृद्धि है।

B. ऊर्जा परिवर्तन के लिए पहल

1) स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में ₹2.37 ट्रिलियन के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

- गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्रोतों से 2030 तक 500 गीगावॉट स्थापित क्षमता प्राप्त करने के भारत सरकार के दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए, जी20 अध्यक्षता के तहत 'ऊर्जा संक्रमण कार्य समूह' की बैठक के दौरान पीएफसी ने 20 विविध कंपनियां, सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। ।
- इन सहयोगों में सौर, पवन, बैटरी भंडारण, हरित हाइड्रोजन, इलेक्ट्रिक वाहन आदि शामिल हैं।
- राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी, रिन्यू, ग्रीनको, मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, कॉन्टिनम, अवाडा, अदानी, जेबीएम ऑटो उन कंपनियों में शामिल हैं जिनके साथ पीएफसी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- यह हरित ऊर्जा परिवर्तन की दिशा में सरकार की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए पीएफसी की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

2) पीएफसी एशिया ट्रांजिशन फाइनेंस स्टडी ग्रुप में शामिल होने वाला भारत का पहला सदस्य बना

- पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी) एशिया ट्रांजिशन फाइनेंस स्टडी ग्रुप (एटीएफएसजी) में भारत से पहला सदस्य बन गया है। जापानी अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग मंत्रालय (एमईटीआई) के नेतृत्व में इस अग्रणी पहल का उद्देश्य एशियाई देशों में सहयोग को बढ़ावा देना और स्थायी संक्रमण वित्त को बढ़ावा देना है।
- एक सदस्य के रूप में इस पहल में भागीदारी के माध्यम से, पीएफसी के पास जलवायु वित्तपोषण परिदृश्य को सामूहिक रूप से आकार देने का एक बड़ा अवसर है। पीएफसी न केवल भारत के दृष्टिकोण को सामने लाएगा बल्कि ऊर्जा परिवर्तन के लिए प्रभावी वित्तपोषण की सुविधा के उद्देश्य से नीतिगत विचार तैयार करने के लिए सहयोगात्मक प्रयासों में भी संलग्न होगा।
- यह पीएफसी के साथ-साथ भारत के संपूर्ण वित्तीय क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

C. व्यावसायिक विशेषताएं

1) संवितरण - संवितरण में पांच गुना वृद्धि- ति1'23 में ₹4,643 करोड़ से ति1'24 में ₹22,792 करोड़ ।

2) ऋण परिसंपत्ति बहि- ऋण परिसंपत्ति बहि में 17% की दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की गई । 30.06.2022 को ₹3,70,186 करोड़ से 30.06.2023 तक ₹4,32,339 करोड़ । हमें उम्मीद है कि ऋण परिसंपत्ति पिछले वित्तीय वर्ष के समान स्तर पर बढ़ेगी।

3) परिसंपत्ति सारांश -

- ति1'24 के दौरान कोई नया एनपीए नहीं जोड़ा गया।
- पिछले वित्तीय वर्ष में दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के कारण,
  - पीएफसी का सकल एनपीए अनुपात ति1'23 में 5.65% से 183 बीपीएस घटकर ति1'24 में 3.82% हो गया।
  - पीएफसी का निवल एनपीए अनुपात लगभग 1% तक पहुंच गया है और ति1'24 में 1.04% है, जबकि ति1'23 में यह 1.73% है।
- वर्तमान में, ₹16,497 करोड़ की 22 दबावग्रस्त परियोजनाएं चरण III में हैं। 22 परियोजनाओं में से 13 परियोजनाएं ₹13,907 करोड़ की हैं जिनका एनसीएलटी के तहत समाधान किया जा रहा है और शेष 9 परियोजनाएं ₹2,589 करोड़ की हैं जिनका एनसीएलटी के बाहर समाधान किया जा रहा है। चरण III परिसंपत्तियों पर, 73% का पर्याप्त प्रावधान बनाए रखा गया है।

4) वितरण क्षेत्र की योजनाओं पर अद्यतन

- **विलंबित भुगतान अधिभार योजना-** अब तक, पीएफसी ने विलंबित भुगतान अधिभार योजना के तहत ₹53,156 करोड़ संस्वीकृत किए हैं और ₹30,618 करोड़ संवितरित किये गये।
- **पुनर्निर्मित वितरण क्षेत्र योजना -**
  - पीएफसी वाले राज्यों में से, अब तक 11 राज्यों यानी आंध्र प्रदेश, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, केरल, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, झारखंड, महाराष्ट्र, पुडुचेरी और पंजाब के लिए कार्य योजना को मंजूरी दे दी गई है।
  - आरडीएसएस दिशानिर्देशों के अनुरूप, 30 जून, 2023 तक, भारत सरकार अनुदान चरण - I के लिए ₹1,688 करोड़ की अग्रिम राशि डिस्कॉम को जारी की गई है।
  - पीएफसी वाले राज्यों के लिए, विभिन्न डिस्कॉम में लगभग ₹30,000 करोड़ का वितरण बुनियादी ढांचा कार्य प्रगति पर है और विभिन्न डिस्कॉम में लगभग 4 करोड़ स्मार्ट मीटर दिए गए हैं।

आरडीएसएस योजना के तहत देश का पहला सबस्टेशन मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में चालू किया गया है। इससे पांच गांवों के करीब 25 हजार लोगों को निर्बाध बिजली आपूर्ति मिलने की उम्मीद है।

5) ऋण

- **पीएफसी ने सार्वजनिक कर योग्य बॉण्ड के दूसरे निर्गम के तहत सफलतापूर्वक ₹2,824 करोड़ जुटाए**
- पीएफसी ने कर योग्य बॉण्डों का अपना दूसरा सार्वजनिक निर्गम लॉन्च किया है, जिसका मूल निर्गम आकार ₹500 करोड़ है और ब्याज दर 7.45-7.55% के बीच है।
- यह इश्यू 21 जुलाई को शुरू हुआ और 26 जुलाई को समाप्त हुआ। पीएफसी ने इस इश्यू के जरिए सफलतापूर्वक ₹2,824 करोड़ जुटाए।
- इस इश्यू को खुदरा निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसके परिणामस्वरूप 5 गुना से अधिक ओवरसब्सक्रिप्शन हुआ। इस बॉण्ड इश्यू में भारत के कोने-कोने से 80% से अधिक खुदरा निवेशकों ने भाग लिया है। 23 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों के 829 उच्च निवल मूल्य वाले व्यक्तियों और 9000 से अधिक खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों ने इस मुद्दे में भाग लिया।
- ये बॉण्ड बीएसई पर सूचीबद्ध हैं, जो खुदरा निवेशकों को द्वितीयक बाजार में भाग लेने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं।

- **विदेशी मुद्रा ऋण**
  - 30.06.2023 तक पीएफसी का कुल बकाया विदेशी मुद्रा ऋण पोर्टफोलियो 7.93 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव के प्रतिकूल प्रभाव से पीएफसी के लाभ को सुरक्षित रखने के लिए, पीएफसी सक्रिय रूप से विदेशी मुद्रा ऋण से अपने विनिमय जोखिम का प्रबंधन कर रहा है। परिणामस्वरूप, कुल

विदेशी मुद्रा पोर्टफोलियो का लगभग 75% विनिमय दर जोखिम के लिए हेज किया गया है, जबकि 30.06.2022 तक पोर्टफोलियो का 67% हेज किया गया है। इसके अलावा, 30.06.2023 तक, **5** साल तक की शेष परिपक्वता वाले पोर्टफोलियो का लगभग 92% विनिमय दर जोखिम को कम करने के लिए हेज किया गया है और इसमें से, यूएसडी मूल्यवर्ग के उधार का 100% हेज किया गया है।

***